आरोप परिजनों ने जिला अस्पताल के डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही का आरोप

युवक की हार्ट अटैक से मौत पर हंगामा

अनूपपुर नवभारत 31 जनवरी। जिला चिकित्सालय में शनिवार की दोपहर एक युवक की मौत के बाद परिजन और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही और देरी का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में नारेबाजी की। इस दौरान स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि पुलिस और स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ प्रदर्शनकारियों की झूमाझपटी भी हुई।

मृतक की पहचान पटनाकला निवासी 38 वर्षीय लवकेश सिंह के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि जिला चिकित्सालय में मौजूद चिकित्सक ने दोपहर 2 बजे शिफ्ट बदलने के बाद इलाज शुरू करने की बात कही, जिससे महत्वपूर्ण समय बर्बाद हो गया। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि डॉक्टर की मौजूदगी के बावजूद मरीज को केवल नर्स के भरोसे छोड़ दिया गया था।

रास्ते में दोबार आया हार्ट अटैक

राजेंद्रग्राम स्थित एक मोटर शोरूम में काम करने वाले लवकेश को सुबह सीने में दर्द महसूस हुआ था। दोपहर 12:40 बजे उन्हें जिला चिकित्सालय लाया गया। प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टर ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया था। परिजन उन्हें लेकर अस्पताल से निकले ही थे कि रास्ते में उन्हें दोबारा हार्ट अटैक आया। जब उन्हें वापस जिला चिकित्सालय लाया गया, तो कुछ ही देर में उन्होंने दम तोड़ दिया।

प्रशासन ने दी सफाई

हंगामे की सूचना मिलते ही सिविल सर्जन डॉ. एसआर परस्ते और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। सिविल सर्जन ने लापरवाही के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मरीज को पहले ही प्राथमिक इलाज देकर रेफर कर दिया गया था, लेकिन रास्ते से वापस लाते समय उनकी स्थिति और बिगड़ गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि डॉक्टर ने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया था। पुलिस की समझाइश और हस्तक्षेप के बाद ग्रामीण शांत हुए, जिसके बाद शव को परिजन के सुपुर्द कर गांव रवाना किया गया। मृतक लवकेश अपने पीछे परिवार और छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं।

बिना लाइसेंस ब्लास्टिंग से दुर्घटना का अंदेशा

कोतमा क्षेत्र की पत्थर खदानों में नियमों की उड़ाई जा रही हैं धज्जियां, गहरे गड्ढे साबित हो सकते हैं मौत के कुएं

कोतमा नवभारत 31 जनवरी। कोतमा ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम बसखली, मौहरी और बसखला में संचालित पत्थर खदानें इन दिनों सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते चर्चा में हैं। स्थानीय ग्रामीणों की शिकायतों के अनुसार, इन खदानों में बिना वैध लाइसेंस के अवैध रूप से ब्लास्टिंग की जा रही है, जो किसी भी समय एक बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। नियमों के मुताबिक, किसी भी पत्थर खदान के चारों ओर पुख्ता फेंसिंग (घेराबंदी) और चेतावनी बोर्ड होना अनिवार्य है ताकि कोई भी इंसान या मवेशी अनजाने में खदान के गहरे गड्ढों में न गिर जाए, लेकिन बसखली और मौहरी क्षेत्र की खदानों में फेंसिंग का पूरी तरह अभाव है। खुले हुए ये गहरे गड्ढे मौत के कुएं साबित हो सकते हैं, खासकर बच्चों और मवेशियों के लिए यह स्थिति बेहद डरावनी है।

आसपास के घरों में दरारें आने की आशंका

खदानों में पत्थर तोड़ने के लिए भारी विस्फोटक सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो कई खदान संचालकों के पास ब्लास्टिंग का वैध लाइसेंस तक नहीं है। बिना किसी पूर्व सूचना या सुरक्षा घेरे के होने वाले इन धमाकों से आसपास के घरों में दरारें आने की आशंका बनी रहती है, साथ ही उड़ते हुए पत्थर राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं।

धमाकों से दहल जाता हैं पूरा इलाका

ग्रामीणों का कहना है कि तेज धमाकों से पूरा इलाका दहल जाता है। खदानों के आसपास कोई सुरक्षा दीवार नहीं है। प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

प्लेटफार्म निर्माण में हो रही नियमों की अनदेखी

कोतमा रेलवे स्टेशन का मामला, ठेकेदार तकनीकी मानकों की उड़ा रहा धज्जियां

कोतमा नवभारत 31 जनवरी। कोतमा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म में हो रहे घटिया निर्माण और गुणवत्ताहीन सामग्री के उपयोग ने रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, प्लेटफॉर्म के बेस (आधार) निर्माण में तकनीकी मानकों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। स्वीकृत एस्टीमेट में स्पष्ट रूप से 40 एमएम की गिट्टी के उपयोग का प्रावधान है, ताकि प्लेटफॉर्म का आधार मजबूत रहे, लेकिन धरातल पर ठेकेदार द्वारा 10 एमएम से 20 एमएम की गिट्टी का धड़ल्ले से उपयोग किया जा रहा है।

अधिकारियों का गैर-जिम्मेदाराना तर्क

जब इस संबंध में संबंधित आईओडब्ल्यू से जानकारी ली गई, तो उनका तर्क बेहद चौंकाने वाला था। सूत्रों के अनुसार, अधिकारी का कहना है कि 40 एमएम गिट्टी के उपयोग से ठेकेदार को घाटा हो रहा है। एक जिम्मेदार अधिकारी द्वारा तकनीकी मानकों के बजाय ठेकेदार के मुनाफे की चिंता करना, सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और मिलीभगत की ओर इशारा करता है। सवाल यह उठता है कि क्या रेलवे के नियम ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए बदले जा सकते हैं?

उच्च स्तरीय जांच की मांग

एस्टीमेट में दर्ज 40 एमएम के बजाय 20 एमएम की गिट्टी का प्रयोग क्यों हो रहा है? क्या कम मोटाई की गिट्टी भविष्य में प्लेटफॉर्म के धंसने या टूटने का कारण नहीं बनेगी? स्थानीय नागरिकों और यात्रियों ने रेल मंत्रालय और बिलासपुर रेल मंडल के उच्च अधिकारियों से इस मामले की तत्काल उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि जनता के टैक्स के पैसे का दुरुपयोग कर ठेकेदारों की जेब भरना बंद होना चाहिए और निर्माण कार्य स्टीमेट के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

अपर नर्मदा परियोजना के विरोध में प्रदर्शन

अनूपपुर नवभारत 31 जनवरी। जिले पुष्पराजगढ़ अनुविभाग में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित अपर नर्मदा सिंचाई परियोजना के विरोध में भारत आदिवासी पार्टी ने शनिवार को पुष्पराजगढ़ में विशाल आमसभा का आयोजन किया, जहां आमसभा के पश्चात पार्टी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम अनुविभागीय दण्डाधिकारीके माध्यम से मांग पत्र सौंपा। भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष ललन सिंह परस्ते ने बताया कि यह परियोजना नर्मदा नदी के उद्गम स्थल से लगभग 40 किलोमीटर नीचे प्रस्तावित है। वैज्ञानिक मतों के अनुसार उद्गम के समीप बांध निर्माण से नर्मदा के जलस्रोत पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। परियोजना से हजारों आदिवासी परिवारों सहित अन्य समुदायों का जीवन, आजीविका और सांस्कृतिक अस्तित्व प्रभावित होगा।

स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर दिया गया जोर

ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश योजना के तहत सेक्टर स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

जमुना कोतमा नवभारत 31 जनवरी। ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्राम विकास पखवाड़ा अंतर्गत 30 जनवरी को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में सेक्टर क्रमांक 1 की नवांकुर संस्था राम किशोर जन उत्थान समिति एवं नगर विकास प्रस्फुटन समिति पसान के सहयोग से जनपद पंचायत बदरा के सभागार में सेक्टर स्तरीय बैठक एवं स्वदेशी वस्तुओं के दैनिक प्रयोग विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नवांकुर प्रतिनिधि, परामर्शदाता एवं सहयोगी वक्ताओं द्वारा ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही स्वदेशी वस्तुओं के अधिकाधिक उपयोग, स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

सामुदायिक नेतृत्व के गुणों से कराया अवगत

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्रों को योजनाओं की जानकारी देते हुए सामुदायिक नेतृत्वकर्ता के गुणों से अवगत कराया गया। सीएमसीएलडीपी की छात्राओं ने ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं, पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुँचाने, स्थानीय समस्याओं के सामूहिक समाधान तथा फील्ड वर्क के अनुभव साझा किए। गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पंपलेट का वितरण भी किया गया।

प्रतिभागियों को दिलाई शपथ

समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को स्वदेशी वस्तुओं के दैनिक जीवन में प्रयोग की शपथ दिलाई गई और स्थानीय लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में नगर विकास प्रस्फुटन समिति अनूपपुर, पसान एवं भालूमाड़ा के प्रतिनिधियों, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जनों की उपस्थिति रही।

एक नजर में

मां नर्मदा का प्राकट्योत्सव पश्चात छठी संस्कार महोत्सव आयोजित

अनूपपुर नवभारत। जिले के अमरकंटक में स्थित पतित पावनी आदिशक्ति भगवती मां नर्मदा के प्राकट्योत्सव के पश्चात छठवें दिवस शनिवार को छठी संस्कार महोत्सव परंपरागत धार्मिक विधि-विधान के साथ श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया गया। इस अवसर पर नर्मदा उद्गम स्थल मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, कन्या भोज, महाआरती एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि मां नर्मदा का पावन जन्म महोत्सव माघ शुक्ल पक्ष सप्तमी से प्रारंभ होकर छठे दिवस माघ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, पुनर्वस नक्षत्र में छठी संस्कार पर्व के रूप में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संपूर्ण आयोजन धार्मिक रीति-रिवाजों एवं आध्यात्मिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न कराया गया। इस अवसर पर पुजारी कामता प्रसाद द्विवेदी, नीलू महाराज, उमेश द्विवेदी, जुगल द्विवेदी, रूपेश द्विवेदी, राजेश द्विवेदी एवं बल्लू महाराज द्वारा विशेष पूजा-अर्चना कराई गई।

दीक्षांत समारोह में डॉ. पटेल आज होंगे सम्मानित

अनूपपुर नवभारत 31 जनवरी। जिले के लिए गौरव का विषय है कि शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले डॉ. नरेन्द्र पटेल रविवार को मध्यांचल प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के हाथों से सम्मानित होंगे। यह सम्मान उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों एवं कृषि आधारित शोध कार्य के लिए प्रदान किया जा रहा है। डॉ. पटेल ने वर्ष 2022 में मध्यांचल प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, भोपाल से डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि प्राप्त की है। शोध विषय अनूपपुर जिला का कृषि भूमि उपयोग एवं पोषण रहा, जो क्षेत्रीय कृषि व्यवस्था, भूमि प्रबंधन तथा पोषण सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वर्ष 2018 में प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर शोध कार्य प्रारंभ किया तथा सतत परिश्रम, अध्ययन और मैदानी विश्लेषण के बाद वर्ष 2022 में अपना शोध सफलतापूर्वक पूर्ण किया। यह शोधकार्य उन्होंने डॉ. मोहंती के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न किया।

लाखों की धोखाधड़ी के आरोपी को भेजा जेल

अनूपपुर नवभारत। जिले की कोतवाली पुलिस ने बेरोजगार युवकों से नौकरी और बैंक लोन दिलाने के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी करने के आरोप में ठग राजेश चौहान को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। थाना प्रभारी अरविंद जैन ने बताया कि 30 जनवरी को युवक आकाश प्रजापति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि राजेश चौहान ने पंजाब नेशनल बैंक, अनूपपुर से 10 लाख रुपए का लोन दिलाने का झांसा दिया और इसके लिए फाइल चार्ज व अन्य खर्चों के नाम पर 40,000 रुपए लिए। कई दिन बीत जाने के बाद भी लोन पास नहीं हुआ और राजेश चौहान पैसे वापस करने में टालमटोल करता रहा। आकाश प्रजापति के साथ जनार्दन प्रसाद नापित निवासी जैतहरी, सूरज नापित निवासी संजय नगर और अनिल नापित अनूपपुर भी धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं।

देशी कट्टे के साथ 2 पशु तस्कर गिरफ्तार

पुलिस ने जिन्दा कारतूस भी किए बरामद, 22 मवेशी और ट्रक जब्त

अनूपपुर नवभारत 31 जनवरी। जिले के कोतमा थाना पुलिस ने बूचड खाना जा रहे मूक पशुओं को शुक्रवार-शनिवार की रात्रि मुखबिर की सूचना पर ट्रक क्रमांक सीजी 4 एन एक्स 5617 से 22 भैंस, कीमती 11 लाख रूपये, ट्रक वाहन कीमती 15 लाख रूपये सहित 2 आरोपियों को देशी कट्टे एवं 2 जिन्दा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों को शनिवार को न्यायालय प्रस्तुत किया, जहां से पुलिस रिमांड में लेकर पूछताछ की जा रही है। ज्ञात हो कि कोतमा पुलिस द्वारा पिछले एक सप्ताह में पशु तस्करों के खिलाफ यह दूसरी बड़ी कार्यवाही हैं। पुलिस ने बताया कि पशुओं को पहले सतना फिर उत्तर प्रदेश के बूचड़ खाने ले जाते हैं। थाना प्रभारी कोतमा निरीक्षक रत्नाम्बर शुक्ल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि भालूमाड़ा रोड़ में एक ट्रक पर तिरपाल ढ़की हैं, जिसमें भैंसों को ठूस-ठूंस कर भरा गया है, जो कोतमा होकर अनूपपुर की तरफ निकलने वाला है। ट्रक के आगे एक वाहन कार रेकी कर रही है।

पतेराटोला के पास वाहन को पकड़ा

सूचना पर तत्काल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं रुका। पीछा करने के बाद पतेराटोला के पास वाहन को रोका गया। ट्रक में बैठे चालक सहित कुल तीन व्यक्ति कूदकर भागे, जिसमें दो व्यक्तियों को पकड़ा गया तथा तीसरा अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। पकड़े गये आरोपियों के नाम उमेश केवट एवं अंकित द्विवेदी हैं, जबकि फरार आरोपी जय भान सिंह गोंड की तलाश की जा रही है।

आनंद उत्सव में बच्चों ने दिखाया जोश

कोतमा नवभारत। राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित 'आनंद उत्सव 2026' का आयोजन 14 जनवरी से किया जा रहा है। इसके तहत ग्राम पंचायत जराटोला खोड़री नं.1 मे भी आनंद उत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें स्थानीय खेलों कबड्डी, रस्साकशी, दौड़ और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय में खुशी, सकारात्मक सोच और सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा दिया गया। सभी प्रकार के खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य उर्मिला पाव, जरा टोला सरपंच हमेनवती, खोड़री सरपंच रामबाई पाव, मंडल अध्यक्ष देवेंद्र जायसवाल. राजेश जायसवाल. रामप्रसाद जायसवाल. संदीप जयसवाल. राकेश जयसवाल. अरुण पांडे. प्रह्लाद जैसवाल, रामदयाल जायसवाल, अनिल जायसवाल. श्रवण शर्मा आदि उपस्थित रहे।

विधायक कप खेलकूद का समापन कल

आदिवासी उत्सव मेला 2 को, राजेंद्रग्राम बिजली ऑफिस खेल मैदान में होगा

पुष्पराजगढ़। विधायक कप खेल प्रतियोगिता एवं आदिवासी उत्सव मेला 2026 का समापन राजेंद्रग्राम में बिजली ऑफिस खेल मैदान में 2 फरवरी को होगा।

कार्यक्रम के आयोजक आशुतोष सिंह मार्को जिलाध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस ने बताया कि विधायक कप खेल प्रतियोगिता एवं आदिवासी उत्सव मेला का समापन समारोह सोमवार को सुबह 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जयवर्धन सिंह विधायक, पूर्व कैबिनेट मंत्री उपस्थित रहेंगे। इनके साथ ही विशेष अतिथि के रूप में विक्रान्त भूरिया, विधायक राष्ट्रीय अध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस ओमकार सिंह मरकाम, विधायक, पूर्व कैबिनेट मंत्री सीईसी चन्दन यादव, राष्ट्रीय सचिव, सहप्रभारी मध्यप्रदेश रहेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता फुन्देलाल सिंह मार्को विधायक पुष्पराजगढ़ करेंगे।

स्कूली विद्यार्थियों के लिए विधायक कप खेलकूद आज

स्कूली विद्यार्थियों के लिए विधायक कप खेलकूद 1 फरवरी को प्रातः 11.00 बजे से आयोजित किए जा रहे है। कार्यक्रम में सभी स्कूली बच्चों, अभिभावकों एवं खेल प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु आमंत्रित किया गया है। बालिकाओं के लिए जो प्रमुख खेल होने हैं उसमें फुटबॉल, कबड्डी, वालीबॉल एवं रंगबंली शामिल है, जबकि बालकों के लिए कुर्सी दौड़, बोरा दौड़, जलेबी दौड़, चमच दौड़ के साथ ही अन्य खेल आयोजित किए जाएंगे।

जीएसटी कार्यालय में रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नवभारत, जबलपुर। जीएसटी कार्यालय में 'थेलेसिमिया मरीजों के लिए समर्पित' रक्तदान एवं बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य जांच शिविर सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में जीएसटी अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए, जिन्होंने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराएं और रक्तदान कर समाजसेवा में योगदान दिया। इस अवसर पर जीएसटी डिप्टी कमिश्नर चंद्रशेखर चौहान, ज्वाइंट कमिश्नर आरएस साहू, ज्वाइंट कमिश्नर आभा जैन, सहायक आयुक्त एस पी बघेल, राज्यकर अधिकारी राजेश नायक, टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शिशिर जैन, सचिव गोपाल तंतुवाय और डायरेक्टर प्रितपाल सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य संयोजक डॉ. अंकित सेठ ने आयोजकों, चिकित्सकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में एड. सतेंद्र जैन, एड. अमिताभ भारती, आकाश सेठ, पीयूष जैन और नेत्र विशेषज्ञ डॉ. स्थापक का विशेष योगदान रहा।

कार्यवाही 15 वर्षों से पदस्थ एरिया सेल्स मैनेजर पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं, प्रकरण की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग

ओपन कास्ट खदान से कोयला चोरी के मामले में तीन गिरफ्तार

अनूपपुर। कोल इंडिया की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के अंतर्गत आने वाली जगरन्नाथपुर ओपन कास्ट खदान से कोयला चोरी के बड़े मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस ने खदान से अवैध रूप से ले जाए जा रहे 43 टन कोयला तथा दो ट्रक-ट्राला जब्त करते हुए नीरज यादव, मनीष यादव और आशीष यादव को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई खड़गवां पुलिस द्वारा खदान प्रबंधन की रिपोर्ट के आधार पर की गई जांच के दौरान सामने आया कि सुरक्षा मानकों को दरकिनार कर कोयला लोड ट्रक-ट्रालों को खदान के मुख्य द्वार से बाहर निकाला जा रहा था। मामले के उजागर होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन इसी प्रकरण में भटगांव क्षेत्र के एरिया सेल्स मैनेजर अमित सिंह की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल

सूत्रों और प्रकाशित समाचारों के अनुसार, कोयला डिस्पैच, रोड सेल और परिवहन से जुड़े अहम नियंत्रण एरिया सेल्स मैनेजर के अधीन होते हैं। इसके बावजूद अब तक न तो अमित सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और न ही किसी प्रकार की विभागीय कार्रवाई की गई है। इससे पूरे मामले की जांच प्रक्रिया पर निष्पक्षता को लेकर प्रश्नचिह्न लग गया है

कोयला माफियाओं से सांठ-गांठ की आशंका

उल्लेखनीय तथ्य यह है कि एरिया सेल्स मैनेजर का पद संवेदनशील माना जाता है, जहां सामान्यतः किसी अधिकारी को तीन वर्ष से अधिक एक ही स्थान पर पदस्थ नहीं रखा जा सकता। इसके विपरीत, अमित सिंह लगभग 15 वर्षों से एक ही एरिया में पदस्थ बताए जा रहे हैं। इतने लंबे समय तक एक ही क्षेत्र में बने रहने के कारण कोयला माफियाओं से सांठ-गांठ की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता, ऐसा स्थानीय लोगों और जानकारों का कहना है।

मामले को रफा-दफा करने का प्रयास

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि केवल ट्रक चालकों और निचले स्तर के लोगों की गिरफ्तारी कर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि यदि निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच हो तो बड़े और प्रभावशाली चेहरे भी बेनकाब हो सकते हैं। जनता और जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि इस पूरे कोयला चोरी प्रकरण की निष्पक्ष, उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा एरिया सेल्स मैनेजर अमित सिंह सहित सभी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए।